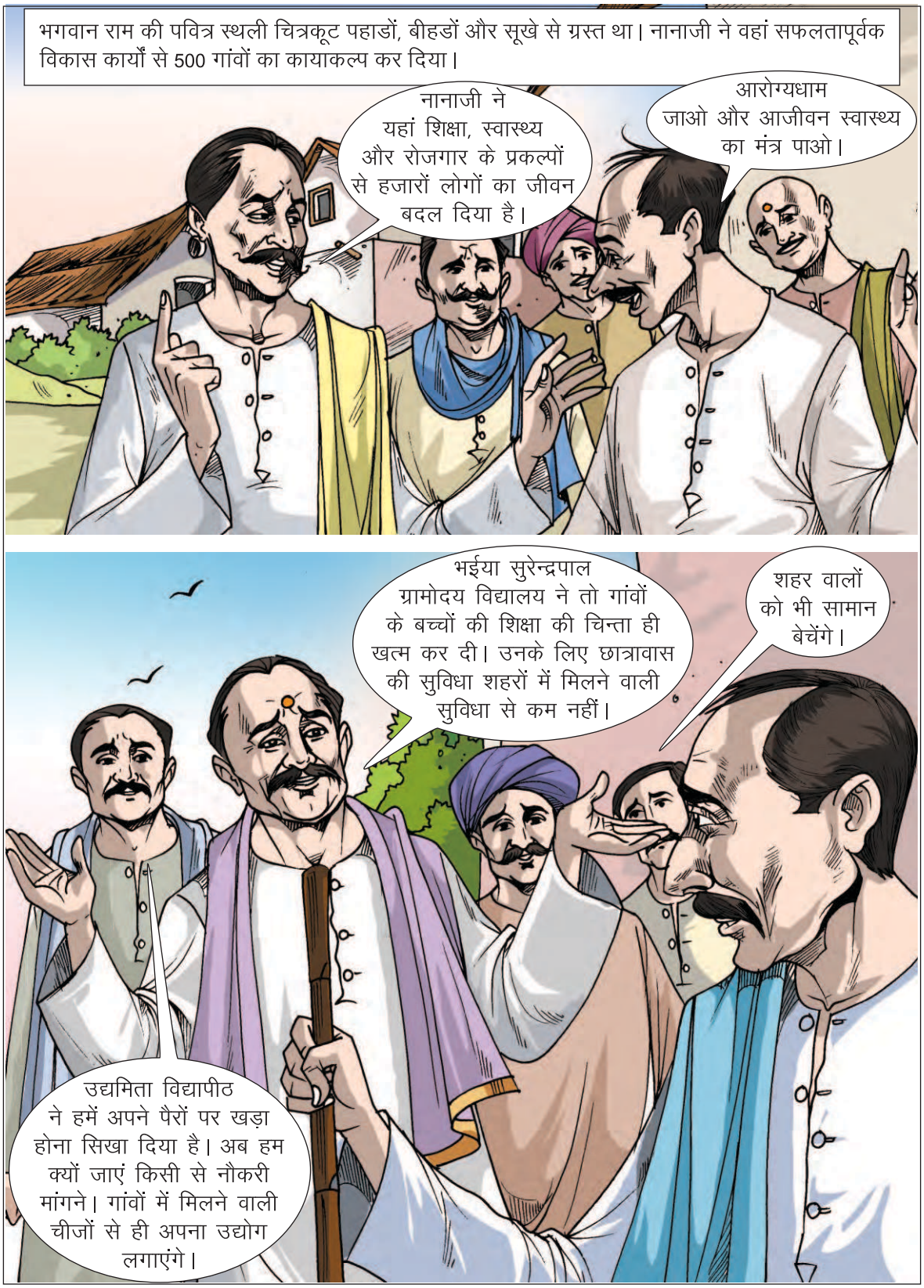
भगवान राम की पवित्र स्थली चित्रकूट पहाडों, बीहडों और सूखे से ग्रस्त था। नानाजी ने वहां सफलतापूर्वक विकास कार्यों से 500 गांवों का कायाकल्प कर दिया।
नानाजी ने यहां शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के प्रकल्पों से हजारों लोगों का जीवन बदल दिया है।
आरोग्यधाम जाओ और आजीवन स्वास्थ्य का मंत्र पाओ।
भईया सुरेन्द्रपाल ग्रामोदय विद्यालय ने तो गांवों के बच्चों की शिक्षा की चिन्ता ही खत्म कर दी। उनके लिए छात्रावास की सुविधा शहरों में मिलने वाली सुविधा से कम नहीं।
शहर वालों को भी सामान बेचेंगे।
उद्यमिता विद्यापीठ ने हमें अपने पैरों पर खड़ा होना सिखा दिया है। अब हम क्यों जाएं किसी से नौकरी मांगने। गांवों में मिलने वाली चीजों से ही अपना उद्योग लगाएंगे।